>

Title: Issue regarding use of Central Road Fund for National Highways.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग): महोदय, सीआरएफ फण्ड के बारे में एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं …(व्यवधान) सीआरएफ फण्ड का निर्माण वर्ष 2000 में सर्वप्रथम हुआ था । पेट्रोल और डीजल पर एक रुपया सैस लगाकर इकट्ठा होने वाली धनराशि सीआरएफ फण्ड में खर्च करने की व्यवस्था थी ।…(व्यवधान) 57 परसेंट राशि एनएच के निर्माण में खर्च हो रही थी, 12.5 परसेंट राशि रेलवे को दी जाती थी और 30 परसेंट राशि सीआरएफ फण्ड में दी जाती थी…(व्यवधान)

12.17 hrs

At this stage, Shri Anto Antony and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

अध्यक्ष महोदय, उसके बाद ऐसा हुआ कि केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय से राशि देने का जो प्रावधान था, वह निकाल कर वित्त मंत्रालय के हाथ में दे दिया गया ।…(व्यवधान) उसके बाद इसके विनियोग के लिए एक समिति का निर्माण हुआ । उसका परिणाम यह आया कि लोक प्रतिनिधियों के क्षेत्र में सीआरएफ फण्ड के माध्यम से रास्ता बनाना, नदियों के ऊपर ब्रिज बनाना, रेलवे ब्रिज बनाने का जो काम चलता था, वह सारा का सारा बंद हो गया ।…(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से विनती करता हूं कि पहले की तरह से सीआरएफ फण्ड का विनियोग परिवहन मंत्रालय के माध्यम से एनएच और एनएचएआई के लिए किया जाए ।…(व्यवधान) ताकि लोगों को ज्यादा से ज्यादा उसका फायदा मिले सके, यही मेरी विनती है ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डॉ. निशिकांत दुबे को श्री विनायक भाउराव राऊत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।